तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज
10/2/20	पत्रावली पेश हुई। वकील अधिकृत नहीं आये। अत: प्रार्थी व प्रार्थी अधिवक्ता को बार-बार आवाजें दिलाई गयी। बावजूद आवाजें प्रार्थी की ओर से कोई हाजिर नहीं आया अत: प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अदम पैरवी अदम हाजरी में खारीज किया जाता है पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। (रणजीत सिंह) RJS

Scanned by CamScanner